ई–बुलेटिन

कृषिउद्यमी

MANAGE

प्रतीयमान अनुभव को बांटने वाला मंच

खंड VIII अंक-VII

अक्टूबर, 2016

प्रत्येक कृषक द्वारा बेहतर कृषि

इस अंक में:

- मंत्रालय अधिकारियों का वीएपीएस, पॉन्डिचेरी दौरा
- इस माह के कृषि उद्यमी: श्री सचिन सुरेश गवाली, सोलापुर, महाराष्ट्र
- इस माह का संस्थान: युवा एवं सामाजिक विकास केंद्र (सीवीएसडी), ओडिशा
- एसबीआईआरडी-हैदराबाद और आईआईएचआर-बैंग्लोर में पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम
- चावल नवाचार के लिए महानिदेशक, आईसीएआर

कृषिउद्यमी की मुफ्त हेल्पलाइन का उपयोग करें

1800 –425-1556

" कृषि उद्यमिता एक ऐसा प्रतीयमान मंच है जहां कृषि उद्यमियों, बैंकरों, कृषि व्यवसाय कंपनियों, नोडल प्रशिक्षण संस्थानों, विस्तार कार्यकर्ताओं, शिक्षाशास्त्रियों, अनुसंधानकर्ताओं तथा कृषि व्यवसाय चिंतकों, जो देश में कृषि उद्यमिता विकास के लिए कार्य कर रहे हैं, के अनुभवों को सबके साथ बांटा जाता है।

मंत्रालय अधिकारियों का वीएपीएस, पॉन्डिचेरी दौरा

श्री. विजय राज मोहन, निदेशक, कृषि विस्तारण, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, ने 10 अक्टूबर 2016 को पॉन्डिचेरी के एक नोडल प्रशिक्षण संस्थान, "वालन्टरी असोशिएशन फॉर पीपल सर्विस (वीएपीएस)" ने उसके द्वारा कार्यान्वित कृषि-उद्यमवृत्ति प्रशिक्षण कार्यक्रम के मोनिट्रिंग हेतु उसका दौरा किया। श्री. विजय राज मोहन ने प्रशिक्षुओं से बातचीत की। बातचीत के दौरान, प्रशिक्षुओं ने एग्री-क्लीनिक्स एवं एग्री-बिज़नस केंद्र योजना को मजबूत बनाने के लिए सुझाव दिये जिसमे प्रशिक्षण अवधि की पुनर्व्यवस्था (प्रशिक्षुओं की अहर्ता एवं कृषि-अनुभव के आधार पर), प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में बदलाव, क्रेडिट लिंकजेस को मजबूत करना, समय पर सब्सिडी जारी करना, प्रशिक्षण के बाद अन्य राज्यों का प्रदर्शनी दौरा, विडियो सीडी द्वारा अन्य राज्यों के कृषि उद्यमियों की सफलता की कहानियों का आदान-प्रदान, आदि शामिल था। आगे, कुछ सुझाव नोडल अधिकारियों द्वारा भी दिये गए थे जैसे, सर्वश्रेष्ठ कृषि उद्यमी को सम्मानित करना, सर्वश्रेष्ठ नोडल प्रशिक्षण संस्थान को सम्मानित करना, प्रशिक्षण एकक लागत को बढ़ाना, सर्वश्रेष्ठ कृषि-व्यवसाय मॉडल की प्रतिकृति के लिए अन्य देशों का प्रदर्शन दौरा, आदि। 10 स्थापित कृषि उद्यमियों द्वारा एक छोटी प्रदर्शनी भी आयोजित की गयी थी जिसमे गतिविधियां जैसे नर्सरी, भूदृश्य निर्माण, कृषि-जैविक-उत्पाद, छत और रसोई उद्यान, कृषि-परामर्श, कृषि-निविष्ठियाँ, आदि शामिल थे। स्थापित कृषिउद्यमियों के क्षेत्र का दौरा भी आयोजित किया

वीएपीएस, पॉन्डिचेरी में श्री. विजय राज मोहन, निदेशक, कृषि विस्तारण, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय

महिला कृषिउद्यमी से बातचीत

श्री. विजय राज मोहन ने नर्सरी वैंचर का दौरा किया।

किशमिश का मूल्य वर्धन: सचिन गवाली की सफलता की कहानी

"महा फ्रूट्स एंड रैज़ीन" एक ब्रांड है जो पूरे भारत में मशहूर हो गया है। वें किशमिश के विभिन्न प्रकार जैसे प्राकृतिक बीजरहित, थॉमप्सन बीजरहित, सोनक्का, सुपर सोनक्का और क्लोन-2 में व्यापार करते हैं। महा फ्रूट्स एंड रैज़ीन के मालिक श्री. सचिन सुरेश गवाली (26) का कहना है कि, "पारंपरिक अंगूर के उत्पादक होने के कारण हमें अंगूरों के बारे में सब पता था, लेकिन उसके प्रक्रमण और विपणन कि कोई जानकारी नहीं थी और इस क्षेत्र के बिचौलिये पर निर्भर थे"। जलवायु कारकों के कारण अंगूर की खेती उतनी लाभप्रद नहीं थी जैसा की हुआ करती थी और श्री.सचिन कमाई का नया जरिया शुरू करना चाहते थे। कृषि स्नातक होने के कारण तथा अधिक सीखने और पाने के उत्साह के साथ, श्री. सचिन ने श्रीराम प्रतिष्ठा मण्डल, सोलापुर, महाराष्ट्र में एग्री-क्लीनिक्स एवं एग्री-बिज़नस केंद्र योजना के अंतर्गत दो माह के अवसीय प्रशिक्षण में दाखिला लिया। इस प्रशिक्षण के दौरान उन्होंने मंडी सर्वेक्षण करना, विपणन और लेखा जैसे व्यवसाय प्रबंधन के मुख्य तत्वों को आत्मसात किया। किशमिश प्रक्रमण एकक के प्रदर्शन दौरे ने उन्हें किशमिश प्रक्रमण एकक आरंभ करने के लिए बहुत आवश्यक प्रोत्साहन और आत्मविश्वास दिया।

श्री. सचिन सुरेश गवाली, कृषिउद्यमी

किशमिश प्रक्रमण एकक

बड़े पैमाने में सफलता प्राप्त करने के लिए निश्चित, उन्होंने अपने व्यवसाय के विस्तार की योजना बनाई। एक परियोजना प्रस्ताव के साथ, उन्होंने भारतीय औद्योगिक विकास बैंक (आईडीबीआई), तिरहे शाखा, शोलापुर जिले से उपकरण की खरीदी के लिए ऋण के लिए आवेदन किया। आरंभ में रु. 5 लाख स्वीकृत किए गए जिससे उन्होंने अंगूर के बेल का स्प्रेयर और अन्य मशीनरी खरीदी। सचिन का कहना है, "अंगूर की खेती में समयपालन बहुत ही महत्वपूर्ण है। जब कीट नियंत्रण की बात आती है, उत्पत्ति का स्तर, कीट का दाब, और श्रम लागत सभी को गंभीरता से लेना होता है। ऐटोमाइजड़ स्प्रेयर से छिड़काव न केवल कम बोझिल और कुशल बन गया बल्कि उत्पादन लागत भी कम कर दी, बस इस तथ्य के कारण ऐटोमाइजड़ स्प्रईंग से कीटनाशक प्रभावी क्षेत्र पर प्रभावपूर्वक और समान रूप से वितरित होता है। सचिन 11 एकड़ की ज़मीन पर अंगूर का उत्पादन कर रहे हैं। समय पर बैंक ऋण के पुनर्भुगतान ने श्री. सचिन को उसी बैंक से रु.7 लाख की दूसरी किश्त प्राप्त करने में मदद की, श्री. सचिन ने किशमिश छटाई मशीन – एक बहुमुखी बहुउद्देशीय रंग छटाई मशीन खरीदी जिसने अच्छी दक्षता और अधिक छंटनी सटीकता प्रदान की। आज 'महा फ्रूट्स एंड रैज़ीन' पूरे देश में लोकप्रिय है और महा फ्रूट की आपूर्ति पंजाब, हरयाणा, गुजरात और उत्तरप्रदेश तक पहुँच गयी है। रु.1 करोड़ से अधिक के वार्षिक कारोबार के साथ श्री.सचिन का वार्षिक मुनाफा रु.10-11 लाख है। उन्होंने 4 व्यक्तियों को रोजगार प्रदान किया है परंतु अनुकूल मौसम के दौरान उनके गाँव से इस की संख्या 50 के पार हो जाती है और वे 30 से 40 गाँवों में लगभग 200 अंगूर के किसानों को अपनी सेवाएँ प्रदान कर पा रहे हैं। वो उनसे अंगूर भी खरीदते है और यह उनको किसानों से सीधे संपर्क में लाता है। उभरते कृषिउद्यमियों तक सचिन यह संदेश पहुंचाना चाहते है कि – सफलता आसानी से प्राप्त नहीं होती है, यह केवल मेहनत ही है जो उसे लाती है"।

सचिन सुरेश गवाली

महा फ्रूट, विरवाड़े ग्राम, मोहोल तालुका, सोलापुर जिला, महाराष्ट्र, मोबाइल +91 9923661788 ईमेल आईडी: mahafruit@gmail.com

श्री. जयदेव डकुआ

नोडल अधिकारी

एनटीआई का नाम: युवा एवं सामाजिक विकास केंद्र (सीवाईएसडी)

पता: ई-1, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, गंगाधर मेहर मार्ग, भुवनेश्वर, 751013

फोन सं.: 0674-23-983

मोबाइल सं.: 09437269222

ई-मेंल: jaydev@cysd.org

प्रशिक्षण की सं.: 2

प्रशिक्षण में अभ्यर्थी: 37

अगम्य तक पहुँचना: सीवाईएसडी की दृष्टि और लक्ष्य

वर्ष 1982 में स्थापित, युवा एवं सामाजिक विकास केंद्र (सीवाईएसडी), ओडिशा राज्य का एक अग्रणी गैर-सरकारी संगठन है। यह गरीबी उन्मूलन और राज्य के दूरवर्ती आदिवासी जिलों में ग्रामीण समुदाय को विकास की चुनौतियों का सामना करने में सक्षम बना रहा है। CYSD तीन डोमेनों पर ध्यान केन्द्रित करता है जिसमें स्थायी आजीविका, सहभागी संचालन और आपदा जोखिम न्यूनीकरण शामिल है। वर्तमान में, सीवाईएसडी 8 लाख की जनसंख्या तक पहुँच रहा है जिसमें विभिन्न हस्तक्षेपों के माध्यम से ओड़ीशा राज्य के 19 जिलों के 93 ब्लॉक के 819 ग्रामपंचायत के 3219 गाँवों के 2 लाख गरीब परिवार शामिल है जो सीधे अथवा भागीदारों के माध्यम से कार्य कर रहें हैं। अपने स्वयं के अनुभव और सहयोगी शक्ति का लाभ उठाकर संस्थान ने कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए वर्षों से अपनी दक्षताएं विकसित की है। तकनीकी विशेषज्ञता, संसाधनों, सक्षम संकाय और सब सुविधाओं से पूरिपूर्ण बुनियादी ढांचा में समृद्ध होने के कारण, सीवाईएसडी को ओड़ीशा में एग्री-क्लीनिक्स एवं एग्री-बिज़नस केंद्र (एसी एवं एबीसी) योजना के कार्यान्वयन के लिए नोडल प्रशिक्षण संस्थान (एनटीआई) के रूप में चुना गया है। योजना के दिशानिर्देशों को मानते हुये और उनका पालन करते हुये, सीवाईएसडी ने दो प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूर्ण किए जिसमे 38 अभ्यर्थी थे।

सीवाईएसडी, ओड़ीशा में प्रशिक्षु

एसी एवं एबीसी के सफल कार्यान्वयन के लिए सीवाईएसडी की तीन स्तरीय योजना है:

- उम्मीदवारों और स्रोत व्यक्तियों की खोज, अनुवीक्षण, और सलाह।
- स्रोत एजेंसियों से जुड़ना।
- पाठ्यक्रम समन्वयन, क्षेत्रीय दौरा आयोजित करना, बाज़ार सर्वेक्षण करने में सहायता करना, और परियोजना रिपोर्ट तैयार करने में सहायता प्रदान करना। संदेह के स्पष्टीकरण के लिए विद्यार्थियों का मैनेज, नाबार्ड, बैंक और वैज्ञानिकों के साथ बातचीत सत्र आयोजित करना। सीवाईएसडी विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाने और नेतृत्व गुण विकसित करने और व्यक्तित्व विकास, आदि के लिए नर्म कौशल और जीवन कौशल के सत्र भी आयोजित करता है।

क्षेत्र दौरे पर प्रशिक्षु

नाबार्ड, बैंकों के साथ समन्वयन और वित्तीय संबंध स्थापित करने और परियोजना स्थापित करने के लिए प्रशिक्षण के पश्चात सहयोग। पुनश्चर्या सत्र और उद्यमिता के पश्चात परामर्श और उन्नति के लिए ठोस सहायता प्रदान करना। एसी एवं एबीसी योजना का तीसरा बैच जनवरी 2017 के दूसरे सप्ताह में आरंभ होना निश्चित हुआ है। मैनेज हैदराबाद की ओर से शुभकामनाएँ।

बागबानी में व्यापार के अवसरों पर पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम

आईआईएचआर-बैंग्लोर में पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम

भारतीय बागबानी अनुसंधान संस्थान, बैंग्लोर, कर्नाटक में 18 से 20 अक्टूबर, 2016 के दौरान एग्री-क्लीनिक्स एवं एग्री-बिज़नस केंद्र (एसी एवं एबीसी) योजना के तहत "बागबानी में व्यापार अवसर" पर पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। 28 कृषिउद्यमियों ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। इस कार्यक्रम में बागबानी से संबन्धित पहलुओं जैसे भारत में व्यापारिक अवसर के रूप में बागबानी उद्योग, घरेलू बाजारों और निर्यात के लिए फलों, सब्जियों, सजावटी और औषधीय फसलों में परिशुद्धता खेती के साथ गुणवत्ता वाले रोपण सामग्री उत्पादन के लिए नर्सरी में व्यवसाय के अवसर, संरचनाओं का डिज़ाइन और निर्माण और उच्च मूल्य की सब्जियों और सजावटी फसलों जैसे फूल और फल की संरक्षित खेती, सब्जियों के बीज का उद्योग और प्रबंधन, बागबानी फसलों में मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन के साथ एकीकृत पोषक तत्व, जल, कीट और रोग प्रबंधन, छोटे स्तरीय कृषिउद्यमियों के लिए बागबानी फसलों में कटाई के पश्चात प्रबंधन एवं मूल्य संवर्धन में व्यापार अवसर, वृक्षारोपण फसलों के उत्पादन और निर्यात में व्यापार के अवसर, उष्णकटिबंधीय मशरूम उत्पादन का प्रबंधन का विषय लिया गया। आईआईएचआर-बैंग्लोर ने कृषकों के खेत का दौरा भी आयोजित किया।

स्थापित कृषिउद्यमियों हेतु "कृषि बैंकिंग" पर पुनश्चर्या कार्यक्रम

स्टेट बैंक ग्रामीण विकास संस्थान, हैदराबाद, तेलंगाना में 18 से 22 अक्टूबर, 2016 को एग्री-क्लीनिक्स एवं एग्री-बिज़नस केंद्र (एसी एवं एबीसी) योजना के तहत "कृषि बैंकिंग" पर पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, पॉन्डिचेरी और कर्नाटक के 27 कृषिउद्यमियों ने इस में भाग लिया। इस कार्यक्रम में कृषि बैंकिंग से संबन्धित विषय जैसे कृषि में व्यवसाय अवसर, परियोजना दृष्टिकोण और वित्तीय विश्लेषण, सूक्ष्म सिंचाई और परियोजना तैयारी, डेयरी वित्तीयन और परियोजना तैयारी, फार्म मशीनीकरण वित्तीयन और परियोजना तैयारी, मुर्गीपालन वित्तीयन और परियोजना तैयारी, व्यवसाय संवाददाता (कृषि), किसान उत्पादक कंपनियाँ, बागबानी और परियोजना तैयारी, आदि को कवर किया गया।

स्टेट बैंक ग्रामीण विकास संस्थान, हैदराबाद, तेलंगाना में पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम

चावल नवाचार के लिए महानिदेशक, आईसीएआर द्वारा प्रशंसा

कच्चीरेड्डीपल्ली (ग्रा) गंगाधाम, करीमनगर जिला, तेलंगाना, भारत के श्री. बचू वीरा रेड्डी (65) एक कृषि स्नातक है जो कृषक समुदाय के लाभ के लिए स्वदेशी तकनीकों की तलाश में पूरी तरह से शामिल है। उन्होंने "पंचामृतम" विकसित किया जिसके लिए उन्हें चावल अनुसंधान निदेशालय, हैदराबाद में आयोजित अभिनव चावल किसानों की बैठक-2011 में चावल नवाचार के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक द्वारा प्रशंसा प्रमाण-पत्र प्राप्त हुआ। पंचामृतम, नीम, सीताफल, गौमूत्र, अर्क प्रजाति और दतूरे के पौधे से बना है और सभी प्रकार के चावल के कीटों के लिए बना है। साथ-साथ, उन्होंने करीमनगर में मेसर्स वीरा रेड्डी सीड्स के नाम से एक फ़र्म पंजीकृत कराया है जो राज्य कृषि विश्वविद्यालय के सहयोग से विकसत कपास, चावल, दाल और तिलहन की बेहतर किस्म के बीज उत्पादन एवं विपणन द्वारा कृषकों को सेवा प्रदान कर रहा है। खेती में प्रौद्योगिकी हस्तांतरण में उनके अथक प्रयासों के कारण उन्हें अन्य कॉर्पोरेट कंपनियों यानि यूनाइटेड फास्फोरस लिमिटेड, रसि सीड्स प्राइवेट लिमिटेड, बेयर क्रॉप साइन्सेस, मोंसेंटो प्राइवेट लिमिटेड, के साथ कपास अनुसंधान एवं विकास संघ, हिसार, हरयाणा और आचार्या एन. जी. रंगा कृषि विश्वविद्यालय, गुंटूर, आंध्रप्रदेश द्वारा 17-19 दिसम्बर, 2015 को आयोजित नेशनल सिंपोसियम ऑन फ्युचर टेक्नोलोजिस: इंडियन कॉटन इन द नैक्सट डेकेड के दौरान "पब्लिक-प्राइवेट पार्टनर्शिप अवार्ड" के सम्मान पत्र से सम्मानित किया गया। मैनेज, हैदराबाद श्री. वीरा रेड्डी को उनके भविष्य प्रयासों और कृषक समुदाय की सेवा के निरंतर प्रयासों के लिए शुभकामनाएँ देती है और सफलता की कामना करती है। 'पंचामृतम' और गुणवत्ता के बीजों पर अधिक जानकारी के लिए श्री. वीरा रेड्डी से मोबाइल सं. +91 99082 49175, +91 99082 49180 पर संपर्क

पंचगव्य और ट्रॉफी के साथ श्री. बी. वीरा रेड्डी

www.agriclinics.net वह पोर्टल है जो एसी तथा एबीसी योजना के बारे में सूचना प्रदान करता है। यह पोर्टल पात्रता मानदंडों, प्रशिक्षण संस्थानों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, सहायता कार्यों, वित्त विकल्पों तथा भावी उद्यमियों को सब्सिडी प्रदान करने के संबंध में अद्यतन जानकारी देता है।यह वेबसाइट स्थापित कृषि नव उद्यमों, लंबित परियोजनाओं, संबंधित योजनाओं के ब्यौरों से संबंधित सूचना तथा राज्य सरकारों, कृषि विश्वविद्यालयों, बैंकों, प्रशिक्षण संस्थानों तथा कृषि उद्यमियों के लिए उपयोगी अन्य सूचना भी प्रदान करती है।

AGRICLINICS & AGRIBUSINESS CENTRES
BETTER FARMING BY EVERY FARMER

कृषि उद्यमी उद्यमवृत्ति विकास केंद्र (सीएडी),
राष्ट्रीय कृषि विस्तारण प्रबंध संस्थान (मैनेज,)राजेन्द्रनगर, हैदराबाद-500 030, भारत
ई-मेल: indianagripreneur@manage.gov.in

"कृषि उद्यमी " श्रीमती वी.उषा रानी, आईएएस, महानिदेशक, मैनेज द्वारा प्रकाशित है।
मुख्य संपादक : श्रीमती वी. उषा रानी, आईएएस, महानिदेशक, मैनेज
संपादक : डॉ सरवनन राज निदेर्शक (कृषि विस्तार /(सी.ए.डी.)
सहायक संपादक : डॉ. लक्ष्मी मूर्ति, श्रीमती. ज्योति सहारे
हिन्दी अनुवाद : डॉ. के. श्रीवल्ली